an>

Title: Need to take remedial measures to prevent wild animals from destroying agricultural produce in Uttarakhand.

डॉ. रमेश पोखरियालय निशंक (हरिद्वार) ः मैं सरकार का ध्यान उत्तराखंड, हिमालय के राज्यों एवं वन बाहुल्य क्षेत्रों की वन्यजीव-मानव संघर्ष की गंभीर चुनौती की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूँ। वन्य जीवों के कारण जहां सैंकड़ों लोगों ने अपनी जान गंवाई है, वहीं फसलों को व्यापक नुकसान होने से लोग पलायन करने के लिए मजबूर हैं। किसान वन्यजीवों के आतंक के कारण खेती कर पाने में असमर्थ हैं। मजबूरी में लोग फसल चक्र परिवर्तन करने पर मजबूर हैं और उनके आगे भुखमरी की समस्या है। मैं मांग करना चाहता हूँ कि सरकार इस समस्या की गंभीरता को समझते हुए समस्त हित धारकों, नीति-निर्माताओं, राज्य-केंद्र सरकार, कानून विभाग, वन्य विभाग, कृषि विभाग, मीडिया, गैर-सरकारी संगठन में समन्वय स्थापित करते हुए कारगर अल्पकालिक, दीर्घकालिक कदम उठाये। इसके अतिरिक्त सरकार सौर ऊर्जा आधारित तार-बाड़, भूमि उपयोग नियोजन, इको-टूरिज्म, पर्यावरण सेवा का ग्रीन बोनस जैसे सुझावों पर भी शीघ्र अमल करे। कृषकों को इस चुनौती से निपटने हेतु प्रशिक्षण देकर उन्हें फसल चक्र परिवर्तन के लिए संसाधन उपलब्ध कराये जाने चाहिए एवं वन्य कानूनों में बदलाव भी आवश्यक है।